



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027965
9415055318

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



यंग भारत
तेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

अखिलेश-राहुल का हर वार खाली जाएगा! बीजेपी ने बना लिया चुनाव से पहले खतरनाक ‘काउंटर प्लान’



(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं प्रदेश का सियासी परा बढ़ता जा रहा है. सपा, बीजेपी बसपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने वोट बैंक को साधने दूसरी पार्टी के वोट काटने में जुटी हैं.इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस नेता राहुल गांधी जहां लगातार प्रदेश सोशल मीडिया दोनों मोर्चों पर सक्रिय हो चुके हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी भी चुप बैठने के मूढ़ में नहीं दिखाई पड़ रही.बीजेपी पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा हर विधानसभा सीट के हिसाब से विपक्ष की ताकत कमजोरी का बारीकी से आकलन कर रही है ताकि चुनाव से पहले हर मोर्चे पर सटीक जवाब दिया जा सके. पार्टी ने बूथ लेवल



पर अपने कार्यकर्ताओं की तैनाती करनी शुरू कर दी है. हर बूथ मंडल पर कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक समाजवादी पार्टी ने दो मोर्चों पर तैयारी शुरू कर दी है. एक तरफ बूथ स्तर पर संगठन मजबूत किया जा रहा है, जहां कार्यकर्ताओं की पहचान ट्रेकिंग के लिए खास ऐप का इस्तेमाल हो रहा है. दूसरी तरफ पार्टी ने डिजिटल मैदान में भी कदम बढ़ा दिए हैं. इसके अलावा हाल ही में पार्टी मुख्यालय में अखिलेश यादव ने एक-दु-जनेरेटेड वीडियो दिखाया जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नकारात्मक अंदाज में पेश किया गया था. बता दें यह कदम भाजपा की तरफ से बनाए

गए इसी तरह के वीडियो के जवाब में उठया गया है. इसके अलावा सपा अपने पुराने ‘पीडीए’ यानी पिछड़, दलित अल्पसंख्यक फॉर्मूले का दायरा बढ़ाकर अब ब्राह्मण समुदाय को भी साधने की कोशिश में जुटी है. फिलहाल संकेत यही हैं कि 2027 के विधानसभा

चुनाव में भी सपा-कांग्रेस गठबंधन जारी रहेगा. दोनों दलों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में साथ मिलकर लड़ते हुए 80 में से 43 सीटें जीती थीं जिससे भाजपा की सीटों में बड़ी कमी आई थी. हालांकि सीटों के बंटवारे को लेकर पेच फंस सकता है क्योंकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पहचान ट्रेकिंग के लिए खास ऐप का इस्तेमाल हो रहा है. दूसरी तरफ पार्टी ने डिजिटल मैदान में भी कदम बढ़ा दिए हैं. इसके अलावा हाल ही में पार्टी मुख्यालय में अखिलेश यादव ने एक-दु-जनेरेटेड वीडियो दिखाया जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नकारात्मक अंदाज में पेश किया गया था. बता दें यह कदम भाजपा की तरफ से बनाए

गए इसी तरह के वीडियो के जवाब में उठया गया है. इसके अलावा सपा अपने पुराने ‘पीडीए’ यानी पिछड़, दलित अल्पसंख्यक फॉर्मूले का दायरा बढ़ाकर अब ब्राह्मण समुदाय को भी साधने की कोशिश में जुटी है. फिलहाल संकेत यही हैं कि 2027 के विधानसभा



कानपुर के गुजैनी स्थित रविदास पुरम में राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) विभाग की तीन टीमों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी तरीके से संचालित पान मसाला कंपनी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में तंबाकू, ब्रांडेड रैपर और मसाला बनाने वाली मशीन बरामद किए गए हैं। एसजीएसटी विभाग के करीब 10 अधिकारियों ने कंपनी पर दबिश बनाई थी। कानपुर में किस्मत पान मसाला और झड़मुड़ी मसाला के नाम से चल रही गतिविधियों पर एसजीएसटी ने छापा मारा। जांच में सामने आया कि फर्जी कंपनी के नाम पर पान मसाला तैयार करने और उसकी पैकिंग का काम अहम बैठक बुलाई गई थी. इसमें साफ निर्देश दिए गए कि 2027 के चुनाव को देखते हुए जमीनी स्तर पर जनसंपर्क संवाद अभी से तेज कर दिया जाए. बैठक में संगठन को मजबूत करने में हर कार्यकर्ता विभाग की भूमिका अहम होने की बात वरिष्ठ नेताओं ने की थी. बता दें प्रदेश में तीनों प्रमुख दल भाजपा, सपा कांग्रेस इस बार डिजिटल मोर्चे को भी उतना ही अहम मान रहे हैं

हैं। महिला का दावा है कि शादी की पहली रात से ही पति ने उससे दूरी बनाए रखी। इसके बाद पति उसे हनीमून के लिए थाईलैंड ले गया, लेकिन वहां भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध नहीं बने। महिला के मुताबिक, करीब एक साल बाद जब पति की मेडिकल जांच कराई गई तो रिपोर्ट को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद मामला इतना बढ़ा कि उसने पति पर गला दबाकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 17 नवंबर 2024 को प्रयागराज में हुई थी। शादी के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो सुहागरात में पति ने उससे किसी तरह का शारीरिक संबंध नहीं बनाया। महिला के मुताबिक, उसने इसे लेकर सवाल भी किए, लेकिन पति लगातार उससे दूरी बनाता रहा। कुछ समय बाद दोनों हनीमून के लिए थाईलैंड गए। महिला का आरोप है कि वहां भी पति ने उसके साथ संबंध बनाने से इनकार किया।

बसपा सुप्रीमो ने कांग्रेस-सपा पर बोला हमला, कांग्रेस को बताया डूबता हुआ जहाज, सपा के नीला रंग अपनाने पर कसा तंज

(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ: विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती इन दिनों लगातार सक्रिय दिखने लगी हैं. शुक्रवार को एक फिर उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि ये पार्टी डूबता हुआ जहाज है. डूबते हुए जहाज में कोई भी सवारी करना नहीं चाहता है. कांग्रेस पार्टी चाहती है कि बसपा से निकाले गए नेताओं को अपने पाले में ले आएँ, लेकिन इस पार्टी में वह नेता भी जाना नहीं चाहते. इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी पर नीला रंग अपने को लेकर भी तंज कसा.

राजनीति से संन्यास लेने में देरी इसीलिए किया क्योंकि वे तरह-तरह के दबाव डलवा रहे थे. जब उन्हें लगा कि अगर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की तो और भी बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए अगले दिन उन्होंने ऐसा किया. बसपा सुप्रीमो ने समर्थकों से वादा किया है कि आने वाले वक्त में अशोक सिद्धार्थ के बारे में और भी बताया जाएगा बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा ने अपने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि सपा, कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बीएसपी का शुरु से ही चला आ रहा नीला रंग अब यह इनके गले का गमछा व कपड़े पहनने से और स्टेज में भी नीला कपड़ा इस्तेमाल करने से कुछ नहीं होगा. इनकी सर्वसमाज में से खासकर



गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े व अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही जातिवादी, संकीर्ण, सामन्तवादी और पूंजीवादी सोच नहीं बदल सकती है. ये लोग दिल से अम्बेडकरवादी होने और कहलाने वाले नहीं हैं, इसीलिये ‘बहुजन समाज’ के वास्तविक हित व कल्याण के प्रति पहले वे

अपना दिल व दिमाग तो पाक-साफ करें. कहा कि वैसे भी ये लोग इन वर्गों के मामले में आए दिन गिरगिट की तरह ही रंग बदलते रहते हैं. ये कहते कुछ हैं और करते उसके ठीक विपरीत हैं. खासकर, इनके सपा के

अनुशासनहीनता के कारण समय-समय पर निष्कासित कर दिये जाते हैं तो वे अधिकतर इन्हीं सब कारणों से अब तक कई पार्टी बदल चुके हैं, जो किसी से छिपा नहीं है. इसी से ही अन्दाजा लगा लेना चाहिए कि ये लोग पूरे स्वार्थी व अवसरवादी हैं और वे किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते हैं. इतना ही नहीं बल्कि जिनको पार्टी से निकाल दिया जाता है तो उनमें से कुछ लोग दूसरी पार्टियों के हाथों में खेलकर छोटी-छोटी पार्टियां व संगठन भी बना लेते हैं, जिनसे ‘बहुजन समाज’ का सामूहिक हित नहीं हो सकता है. इन वर्गों की एकमात्र हितैषी व आंबेडकरवादी पार्टी केवल बीएसपी ही है, जो सभी जानते हैं. अन्य पार्टियों की तरह बीएसपी के जो भी लोग पार्टी में

बिना भी नहीं रह सकती हैं, जो पार्टी से निकाले हुये लोगों को अक्सर अपनी पार्टी में लेने की बात करते हैं या उन्हें पार्टी बनाने की भी सलाह देते हैं तो वे पहले अपने गिरेबान में भी झांककर जरूर देख लें. खासकर कांग्रेस पार्टी. ये पार्टी बसपा से निकाले हुये लोगों को अपनी पार्टी में लेने की बात कर रही है तो ऐसी पार्टी में जो डूबते जहाज की तरह है, उसमें भला कौन शामिल होकर अपने भविष्य को अन्धकार में डालेगा, जबकि खासकर इस पार्टी से दूरी बनाने के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर ने अपने जीते-जी बहुजन समाज के लोगों को अगाह पाटियां बिना किसी गठबन्धन के भी चुनाव नहीं लड़ सकती हैं. किसी भी पार्टी की सरकार बनने पर सरकार में शामिल हुए

बहुत जरूरी है तो यह उचित होगा. मायावती ने अपने समर्थी अशोक सिद्धार्थ के बारे में लिखा कि ये बताना बहुत जरूरी है कि जिस दिन बीएसपी ने अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी थी तो उस दिन इन्होंने इनके ऊपर काफी दबाव पड़ने के बावजूद भी अपने संन्यास लेने की घोषणा तब तत्काल नहीं की थी, क्योंकि उस दिन यह पूरी रातभर इसे रुकवाने के लिए क्रिस्म-क्रिस्म के हथकण्डे इस्तेमाल करते रहे. इसमें कामयाबी नहीं मिलने पर मजबूरी में अगले दिन यह सोचकर लगभग सुबह 6:30 बजे अपने संन्यास कि किन्तु-परन्तु वाली घोषणा की. उन्हें लगा कि कहीं ज्यादा देरी होने पर और भी बड़ा नुकसान न हो जाये.

जैन धर्म के प्रति बढ़ रहा युवाओं का रुझान; ग्लैमर और बेह्तरीन करियर छोड़ चुन वैराग्य का रास्ता, जानें क्या है जैन दर्शन और विज्ञान में

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज़)



विचार, खाओ पियो, मजे करो, जिंदगी नहीं मिलेगी दोबारा..वाली सोच, किसी धर्म-कर्म में रुचि नहीं, वर्तमान सोच से चलने वाली शौर्य बोधित्री अचानक सीए की पढ़ाई और करियर का मोह छोड़ कर वैराग्य की ओर रुख कर लेती हैं. यह कोई

फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि शौर्य बोधित्री की असल जिंदगी है. शौर्य जैन धर्म की दीक्षा लेकर वाराणसी में रहकर चातुर्मास कर रही हैं.शौर्य बोधित्री कहती हैं कि शुरु में उन्हें धर्म-कर्म में कोई विशेष रुचि नहीं थी. परिवार के कहने पर कभी-कभी

मंदिर चली जाती थी. एक दिन परिवार में मंदिर बनकर के तैयार हुआ. जहां महाप्रभु (जैन मुनि) के जीवन से जुड़ी कहानी का मंचन किया गया. जिसमें महाप्रभु को लज्जरियस जीवन शैली त्यागकर वैराग्य धारण करने का प्रसंग देखा. उसी दिन से

मन बिचलित हो उठा और जीवन के कदम वैराग्य की ओर बढ़ गए. ग्लैमर छोड़ वैराग्य का निर्णय : मनुष्य का जीवन केवल जन्म लेने से लेकर जीवन के विभिन्न पड़ावों को पार करने की कहानी नहीं होता. कुछ जीवन ऐसे होते हैं,

जिनकी यात्रा औरों से अलग संसार से ऊपर उठकर आत्म कल्याण की ओर बढ़ती है. दिगंबर मुनि श्री भवसागर महाराज की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. पहले बालक मनीष से ब्रह्मचारी मनीष और फिर मुनिश्री 108 भावसागर महाराज की पदवी तक पहुंचे. दिगंबर मुनि श्री भवसागर महाराज कहते हैं कि प्राइमरी-सेकेंडरी शिक्षा पूरी करने के बाद बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की. इसके बाद ग्लैमर की शौक उत्पन्न हुआ. इसके लिए रेडियो-टेलीविजन का कोर्स किया, टीवी चैनलों में काम किया. टेलीविजन के क्षेत्र में कई सीरियल में कार्य करने का अवसर मिला. इसी सांसरिक चक्क-दमक के बीच अंतर्मन में धर्म के प्रति प्रेम बढ़ा और अंतर्मन से संयमित जीवन की ओर मुड़ने का भाव मिला. इसके बाद वैराग्य ले लिया, जो मुश्किल भरा निर्णय था. परिवार से मिली प्रेरणा : दिगंबर मुनि श्री भवसागर महाराज बताते हैं कि वे आठ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे. परिवार के सबसे छोटे सदस्य होने के कारण माता-पिता एवं भाई-बहनों का विशेष स्नेह, दुलार और अपनपन मिला. इसके बावजूद एक दिन संसार से मोह-ममता से ऊपर उठकर

श्रमण परंपरा का साधक बनने का संकल्प लिया. हालांकि परिवार के कई भाई इस मार्ग पर आगे बढ़ रहे थे. उन्हीं को देखते हुए हमने भी वैराग्य की दीक्षा ले ली. शुरुआती दौर मुश्किल जरूर रहा, लेकिन यहां के कष्ट में अलौकिक आनंद मिला. बौद्ध के बाद चुना वैराग्य का मार्ग : जैन धर्म को आत्मसात करने की दिशा में आगे बढ़ रहें एक युवा शिष्या (23) कहती हैं कि उन्होंने हाल ही में बौद्धों की पढ़ाई पूरी की है, लेकिन मन प्रभु की दीक्षा में लग रहा है. इसलिए काशी में आकर चातुर्मास कर रही हैं. हालांकि अभी वैराग्य धारण नहीं किया है, लेकिन दीक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ रही हैं. सांसारिक चीजों से मोह छुड़ाना आसान नहीं : काशी में चातुर्मास कर रही महिला साध्वी कहती हैं कि उन्होंने 12वीं की पढ़ाई पूरी की. इसके बाद से मन दीक्षा में रम गया. हालांकि बीए, एमए की पढ़ाई भी पूरी की. बावजूद इसके मन बैरागी भाव की ओर बढ़ गया. यह रास्ता मुश्किल जरूर है, क्योंकि सांसारिक चीजों से मोह छुड़ाना आसान नहीं होता है. हालांकि जब एक बार प्रभु के बारे में दिल से सुन लिया तो फिर उनके बताया मार्ग ही उचित लगता है.

नेवी में तैनात युवक पर डांस टीचर का गंभीर आरोप, शादी का भरोसा देकर बनाए संबंध; गर्भवती हुई तो शादी से किया इनकार

(यंग भारत न्यूज)

समालखा थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल की डांस टीचर ने मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी और भारतीय नौसेना (नेवी) में तैनात बिजेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि बिजेंद्र ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए जब वह तीन महीने की गर्भवती हुई तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया और गर्भपात कराने का दबाव बनाया। महिला ने विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

पीड़िता मूल रूप से उत्तराखंड की रहने वाली है और पानीपत के एक निजी स्कूल में डांस टीचर के तौर पर काम करती है। शिकायत के अनुसार, उसकी बिजेंद्र सिंह से पहचान वर्ष 2019 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक के जरिए हुई थी। बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। महिला का आरोप है कि जून 2023 में बिजेंद्र उसके घर आया था। उस दौरान उसने परिजनों के सामने शादी का प्रस्ताव



रखा। परिवार के सामने शादी का भरोसा मिलने के बाद महिला ने उस पर विश्वास किया। इसके बाद आरोपी कथित तौर पर लगातार शादी करने का भरोसा देता रहा और दोनों के बीच शारीरिक संबंध बनते रहे पीड़िता ने अपनी शिकायत में मार्च 2025 की घटना का भी उल्लेख किया है। उसका आरोप है कि चोट लगने की बात कहकर उसे गोवा बुलाया गया, जहां दोनों

के बीच संबंध बने। इसके बाद मई 2026 में दिल्ली के एक होटल में भी संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। महिला के मुताबिक, इस दौरान भी उसे शादी का भरोसा दिया जाता रहा। हरियाणा बोर्ड में खत्म होगी कागजी कार्रवाई! 4 लाख का बिजली बिल बचाने को लगेंगे सोलर पैनल, जांनें चेयरमैन का प्लान मामला तब गंभीर हो गया जब महिला

की धमकी भी दी। इसके बाद महिला ने पुलिस के समक्ष शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। हरियाणा बोर्ड में खत्म होगी कागजी कार्रवाई! 4 लाख का बिजली बिल बचाने को लगेंगे सोलर पैनल, जांनें चेयरमैन का प्लान

बारिश से राहत के बीच आवास विकास कॉलोनी में जलभराव, पालिकाध्यक्ष के आदेश की अवहेलना पर भड़के लोग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। पिछले कुछ दिनों से तेज धूप और उमस भरी गर्मी झेल रहे नगरवासियों को शुक्रवार दोपहर हुई बारिश से बड़ी राहत मिली। हालांकि, आवास विकास कॉलोनी के निवासियों के लिए यह बारिश एक बार फिर मुसीबत बनकर आई। पालिकाध्यक्ष के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कर्मचारियों की लापरवाही के कारण कॉलोनी में जलभराव हो गया, जिससे लोगों में भारी रोष है। गुरुवार की भोर में हुई हल्की बारिश के बाद शुक्रवार दोपहर अचानक आसमान में बादल थिर आए और शाम तक रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा। मौसम सुहावना होने पर जहां लोग छतों और खुले स्थानों पर भीगते नजर आए और बच्चों ने बारिश का आनंद लिया, वहीं नगर के प्रमुख बाजारों की रौनक फीकी पड़ गई। अचानक हुई बारिश के चलते दुकानदारों को अपना



सामान समेटना पड़ा और ग्राहकों की कमी के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। कर्मचारियों की मनमानी से जलमग्न हुई कॉलोनी, सांपों की दहशत आवास विकास कॉलोनी में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के

चलते पालिकाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि बारिश शुरू होते ही पानी निकालने वाले इंजन (पंप) को तुरंत चालू किया जाए। इसके बावजूद संबंधित कर्मचारियों ने आदेशों की संराम अवहेलना की और समय पर पंप नहीं चलाया। परिणामस्वरूप पूरी कॉलोनी

जलमग्न हो गई और लोगों को घंटों गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। स्थिति उस समय और भयावह हो गई जब जलभराव के बीच जहरीले काले सांप रेंगते देखे गए, जिससे स्थानीय निवासियों और बच्चों में दहशत फैल गई। लापरवाह कर्मचारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग पालिकाध्यक्ष के आदेश की अनदेखी करने और आमजन की जान जोखिम में डालने वाले कर्मचारियों के खिलाफ आक्रोशित नागरिकों ने मोर्चा खोल दिया है। पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि लक्ष्मीकांत वर्मा, तारिक, आकाश, आसिफ और इमरान आदि ने पालिका प्रशासन से मांग की है कि कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को तत्काल चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

युवती को बहला-फुसलाकर भगाने तथा रुपए और जेवरात साथ ले जाने पर आरोपी पर मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई।कालपी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रामपुर में एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और घर से नकदी व जेवरत समेट कर ले जाने का मामले में पीड़ित पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। उक्त प्रकरण को लेकर कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए वादी ने अवगत कराया है कि दिनांक 7 सितंबर 2026 की रात लगभग 1 बजे जब प्रार्थी अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर में सो रहा था तभी गांव का ही एक आरोपी युवक अनुराग मेरी 19 वर्षीया पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। युवती अपने साथ घर में रखी मेहनत-मजदूरी की कमाई के लगभग 20 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के जेवरत तोड़िया, मंगलसूत्र व झूमकी भी ले गई है। पीड़ित ने आरोप लगाया गया है कि इस घटना की जानकारी आरोपी युवक के परिजनों को भी थी। इसके अलावा, आरोपीगणों अनुराग अपने दोस्त आरोपी अमित की मोटरसाइकिल लेकर युवती के साथ फरार हुआ है। सुबह उठने पर परिजनों को दरवाजा खुला मिला और खोजबीन करने पर घटना का पता चला। कालपी कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सुसंगत धाराओं मामला दर्ज कर लिया है।

सल्फाश खाकर लड़की हुई अचेत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 सितंबर 18 वर्षीय काजल पुत्री सतनाम सिंह निवासी बैरई परिवार की कलह चलते अचानक गुरुवार की रात घर पर रखी हुई सल्फास गोली खाकर हालत गिगड़ी घर पर मौजूद परिजनो ने लड़की को बेहोशी हालत में घर से उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने लड़की की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया

ग्राम में सिलेंडर से लगी आग पर प्रभारी निरीक्षक ने पहुंचकर परिवार को बाल बाल बचाया

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 सितंबर उदय नारायण पुत्र रामेश्वर दयाल पाल निवासी मगरील शुक्रवार के दिन गमी होने पर शुद्धता का कार्यक्रम चल रहा था इस समय उनके घर में जल रहे सिलेंडर पर अचानक आग लग गई आग लगने पर अपरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया वहीं घटना पर प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी हलका इंचार्ज रामजीलाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल में पहुंचे वही तेजिगत से जल रहे सिलेंडर को बड़ी मशक्कत के बाद आग को बूझकर परिवार तथा पड़ोसियों को बाल बाल बचाया।

खुद को हिंदू बताकर 20 साल की लड़की से की फ्रेंडशिप, मैरिज प्रपोजल के झांसे में कई बार बनाए संबंध... अब बॉयफ्रेंड निकला आरिफ शेख

(यंग भारत न्यूज)

मुंबई में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, एक 20 वर्षीय युवती ने अपने बॉयफ्रेंड पर पहचान छिपाकर शादी का झांसा देने, धोखे से नशीला पदार्थ खिलाकर रेप करने और ब्लैकमेल करने का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़ित महिला की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, चैम्बर स्थित एक कंपनी में टेलीकॉलर का काम करने वाली पीड़िता जो एक हिंदू महिला है उसकी मुलाकात जनवरी 2025 में आरोपी से हुई थी। उस समय आरोपी ने

खुद को शिवा राठौड़ बताया और पीड़िता के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। आरोपी ने अपनी असली धार्मिक पहचान और नाम छुपाकर महिला को अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। स्रद्धा के मुताबिक, रिश्ता आगे बढ़ने के बाद आरोपी उसे अलग-अलग जगहों पर ले जाने लगा और शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। हालांकि, शिकायत के मुताबिक, बाद में उसे पता चला कि उस आदमी की असली पहचान आरिफ शेख है। उसके बयान के मुताबिक, इस बात का पता चलने के बाद दोनों के बीच बहस हुई। उसने आरोप

लगाया कि इसके बाद आरोपी ने उसे रिश्ता जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की और कई तरह के वादे किए। महिला ने आगे बताया कि पहचान को लेकर हुए विवाद के बावजूद आरोपी ने उसके साथ रिश्ता बनाए रखा। महिला की शिकायत के अनुसार, आरोपी उसे एक लॉज में ले गया और खाने के लिए कुछ दिया, जिसे उसने 'प्रसाद' बताया। महिला ने आरोप लगाया कि उसे खाने के बाद बेहोशी छा गई। उसने आगे आरोप लगाया कि बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ रेप किया। शिकायत के मुताबिक, होश में आने के बाद उसने कमरे में खून देखा और आरोपी से पूछा कि क्या हुआ



था। महिला ने आगे आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपी ने उसे एक गोली दी और कहा कि इससे वह प्रेग्नेंट नहीं होगी। स्रद्धाक्रम में दर्ज विवरण के अनुसार, ऐसी ही एक और घटना में महिला को दोबारा नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया था। इतना ही नहीं, पीड़िता को आरोपी के परिजनों से भी मिलवाया गया, जहां उस पर शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया गया। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो आरोपी और उसके परिवार ने उसे डराना-धमकाना शुरू कर दिया। आरोपी ने

आपत्तिजनक फोटो और वीडियो का इस्तेमाल कर महिला को ब्लैकमेल किया और उसके परिवार को भी जान से मारने की धमकियां दीं। लगातार मिल रही धमकियों और पीछा किए जाने से तंग और घटना में महिला को दोबारा नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया आरोपी के बर्ताव की वजह से उसने आखिरकार उससे दूर होने की कोशिश की। हालांकि, उसकी शिकायत के अनुसार, वह उसका पीछा करता रहा और उसे धमकाता रहा। महिला के आरोपों के आधार पर मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया और आगे की नियक्ष जांच की जा रही है।

पैसा ही पैसा! किराए के कमरे में खोला नोटों का कारखाना; 5वीं पास शेर सिंह का धंधा देख फटी रह गई पुलिस की आंखें

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है. दरअसल, कानपुर में एक नकली करेंसी रैकेट का पर्दाफाश हो गया है, इस एक मामले से पुलिसवालों की आंखें फटी की फटी रह गईं.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 52 साल का शेर सिंह, जो पांचवीं क्लास में ग्रेजुएट है, किराए के कमरे में प्रिंटर से नकली करेंसी बनाता था. इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके दो साथियों समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है और 2.04 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए, साथ ही बता दें कि यह गैंग रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में छोटी दुकानों पर नकली नोट चलाता था. पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है. बताया जा रहा है कि ये शख्स पांचवीं क्लास तक पढ़ा था.लेकिन उसका मकसद नकली नोट छापना था. उसने एक प्रिंटर, कागज, स्याही और दूसरा ज़रूरी सामान खरीदा और अपने किराए के कमरे को नकली करेंसी बनाने की जगह बना दिया. फिर उसने इन नोटों को बाजार में चलाने के लिए एक ऐसी



जगह चुनी जहां रोजाना हज़ारों लोग आते-जाते थे. कानपुर पुलिस ने ऐसे ही एक नकली करेंसी रैकेट का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने रैकेट के कथित मास्टरमाइंड 52 साल के शेर सिंह समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से 2,04,650 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए.इस गैंग के सौमिल गुप्ता, रोशन अली और शेरसिंह किराये के कमरे में कम्प्यूटर-प्रिंटर की मदद से नोट छापकर बाजार में खपाते थे.

रेट रहता था 3 हजार के असली... इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि पांचवीं क्लास तक पढ़ा शेर सिंह प्रिंटर का किया है. पुलिस ने रैकेट के कथित आरोपियों के पास से 2,04,650 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए.इस गैंग के सौमिल गुप्ता, रोशन अली और शेरसिंह किराये के कमरे में कम्प्यूटर-प्रिंटर की मदद से नोट छापकर बाजार में खपाते थे.

क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी ने पूर्ति कार्यालय केआ किया निरीक्षण

-राशन कार्डों की ई-केवाईसी जल्द पूरी कराने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग ने राशन वितरण व्यवस्था को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी डॉ. मनोज कुमार उत्तम ने तहसील कालपी स्थित पूर्ति कार्यालय का निरीक्षण कर अभिलेखों की जांच की। उन्होंने पूर्ति निरीक्षक प्रफुल्ल मिश्रा एवं कार्यालय के जिम्मेदार कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अंत्योदय और पात्र गृहस्थी योजना के राशन कार्डों की फीडिंग तथा लाभार्थियों की ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की गई। क्षेत्रीय पूर्ति



अधिकारी ने ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोटेदारों की दुकानों पर सरकारी खाद्यान्न समय से पहुंचना चाहिए तथा निर्धारित समय में कार्डधारकों को तथा लाभार्थियों की ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की गई। क्षेत्रीय पूर्ति

की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पूर्ति कार्यालय में अभिलेखों का रखरखाव भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए.इस दौरान वरिष्ठ लिपिक शुभेंद्र कुमार तिवारी सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी ने विभागीय कार्यों को देख कर संतोष जताया।

बारिश थमने के बाद तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पिछले कुछ दिनों से बारिश थमने के बाद तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। शुक्रवार को दोपहर में अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छा गए। इसके बाद हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से काफ़ी राहत मिली।

गुरुवार की भोर में हुई थोड़ी बारिश के बाद शुक्रवार दोपहर में बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। शाम तक रूक रूककर बारिश होती रही। उमस भरी गर्मी से परेशान लोग घरों से बाहर निकलकर बारिश का आनंद लेते नजर आए। कई लोग छतों और खुले स्थानों पर खड़े होकर बारिश में भीगते दिखे, जबकि बच्चे भी बारिश का आनंद लेते नजर आए। हालांकि, बारिश के कारण नगर के बाजारों की रौनक फीकी पड़ गई। अचानक हुई बारिश के चलते दुकानदारों ने सामान को भीगने से बचाने के लिए दुकानों के बाहर रखे सामान को समेट लिया। वहीं, बारिश तेज होने के कारण ग्राहक भी बाजार में कम ही पहुंचे। इससे प्रमुख बाजारों और सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा सन्नाटा पसरा नजर आया। जरूरी काम से निकले लोग भी बारिश से बचने के लिए दुकानों और अन्य स्थानों पर रुकते दिखाई दिए।

कालपी से शोहदा भगा ले गया किशोरी को, मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई।कालपी नगर के मोहल्ला गणेशगंज स्टेट बैंक के पास रह रही एक 16 वर्षीय किशोरी को रिश्तेदारी में आया युवक अपने साथ ले गया। किशोरी की मां की शिकायत पर कालपी कोतवाली पुलिस ने सुसंगत धाराओं मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामगंज चौकी इंचार्ज विशाल भड़ाना इस मामले की विवेचना करने में जुट गए हैं।

पीड़िता अपने बच्चों के साथ पिछले करीब छह-सात माह से कालपी के गणेशगंज स्टेट बैंक के पास रह रही है। ग्राम छौंक निवासी आरोपी नीलेश पुत्र हरगोविंद चार-पांच दिन पूर्व उनके घर आया था। 9 सितम्बर की शाम करीब पांच बजे नीलेश उनकी 16 वर्षीय पुत्री को अपने साथ लेकर चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का पता नहीं चल सका। वादिनी ने पुलिस से किशोरी को बरामद करने तथा आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच उपनिरीक्षक विशाल भड़ाना को सौंपी है।

17.92 लाख का स्टीमेट, फिर भी नहीं बना कच्चा नाला, जलभराव से मकानों को खतरा

नाला, जलभराव से मकानों को खतरा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका परिषद उरई के वार्ड नंबर-5 रामनगर उत्तरी में कच्चे नाले के निर्माण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि झांसी रोड व अजनारी रोड के बीच करीब छह हजार की आबादी निवास करती है। रामशंकर के मकान से विकास के मकान तक कच्चा नाला पड़ा हुआ है। आसपास के मकानों में कच्चा नाला होने के कारण दरारें आ रही हैं और मकानों के नीचे कटाव होने से उनके गिरने का खतरा बना हुआ है। शिकायती पत्र में बताया गया कि नाले के निर्माण को लेकर करीब ढाई वर्ष से जिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका तथा जनसुनवाई पोर्टल एवं प्रधानमंत्री पोर्टल पर शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अभी तक नाले का निर्माण नहीं कराया गया। हालांकि सभासद के माध्यम से कच्चे नाले का स्टीमेट तैयार कराया गया है।

शिकायत के अनुसार नाले के निर्माण के लिए 17 लाख 92 हजार 214 रुपये का स्टीमेट तैयार किया गया है, जबकि नाले पर आरसीसी कवर के लिए भी करीब 13 लाख रुपये की धनराशि का स्टीमेट बनाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि गहरा नाला होने के कारण छोटे बच्चे और पशु आए दिन उसमें गिरकर चोटिल हो जाते हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को रामशंकर के मकान से विकास के मकान के पीछे तक कच्चे नाले को 15वें वित्त



आयोग की योजना में शामिल करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसे योजना में शामिल नहीं किया गया। इसके चलते नाले के निर्माण का स्टीमेट डीपीआर में शामिल नहीं हो सका। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि वार्ड नंबर-5 रामनगर उत्तरी में रामशंकर के

बच्चों में दिव्यांगता की पहचान कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ें आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां: बीईओ



(यंग भारत न्यूज)

कोंच दिव्यांगता की पहचान, योजनाओं और विशेष शिक्षा की जानकारी देने के लिए विकासखंड कोंच में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत हुई है। प्रशिक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी के निर्देशन एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवदीन चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी विकासखंड कोंच सुनील कुमार राजपूत ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, क्योंकि तीन वर्ष की उम्र से ही बच्चों की शिक्षा एवं

विकास की प्रक्रिया आंगनबाड़ी केंद्रों से शुरू हो जाती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्त्रियां सबसे पहले बच्चों में दिव्यांगता की पहचान करें और उन्हें शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाते हुए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करें। बाल विकास परियोजना अधिकारी चंद्रप्रभा खरे ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां बच्चों की शिक्षा एवं विकास की पहली कड़ी हैं। उन्होंने कार्यकर्त्रियों से दिव्यांग बच्चों के साथ उनके माता-पिता और आसपास के लोगों को भी दिव्यांगता के प्रति जागरूक करने की अपील की, ताकि समय रहते बच्चों की जरूरतों को समझकर उनका उचित सहयोग किया जा सके। विशेष शिक्षक जगत सिंह पाल ने प्रशिक्षण में दिव्यांगता के विभिन्न प्रकारों, दिव्यांग

बच्चों से संबंधित अधिनियम एवं उनके अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मेडिकल कैंप, मेजरमेंट कैंप, दिव्यांग बालिकाओं के लिए स्टाइपेंड तथा बहु-गंभीर दिव्यांग बच्चों के लिए स्कॉट अलाउंस समेत शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। विशेष शिक्षिका कपूरी देवी ने मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की पहचान करने के तरीके बताए। साथ ही ऐसे बच्चों की शिक्षा, दैनिक क्रियाकलाप और उनके व्यवहार को बेहतर बनाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी। प्रशिक्षण के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को दिव्यांग बच्चों की समय से पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता, शिक्षा और सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूक किया गया।

पंचायत सहायकों ने सौंपा ज्ञापन, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से सार्वजनिक माफी की मांग

पांच दिन से जारी आंदोलन के समर्थन में आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस ने उठाई आवाज



(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में पांच दिनों से आंदोलन कर रहे पंचायत सहायकों के समर्थन में आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (एवटू) ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट पहुंच कर सीटी मजिस्ट्रेट सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि पंचायत सहायक पिछले पांच दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। आरोप है कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा पंचायत सहायकों को कथित तौर पर टिप्पणी कर अपमानित किया गया तथा आंदोलन कर रहे कर्मचारियों को हटाने और धमकाने की कोशिश की गई। संगठन ने उप मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने तथा पंचायत सहायकों को डराने-धमकाने की कोशिश रोकने की मांग की है।

संगठन ने पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन की सभी मांगों पर पुलिस अधिकारियों अथवा विभागीय अधिकारियों से संदेश एवं जबानी आशवासन देने के बजाय सरकार द्वारा एक कमेटी गठित कर तत्काल वार्ता कराने की मांग की। साथ ही पंचायत सहायकों की मांगों को स्वीकार करते हुए समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिखित समझौते के साथ आंदोलन समाप्त कराने की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने सरकार से पंचायत सहायकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने और आंदोलनकारियों के साथ सकारात्मक वार्ता करने की अपील की है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से अखिल भारतीय किसान महासभा प्रदेश महासचिव का. राजीव कुशवाहा, का. सुरेशचंद्र, का. रामसिंह चौधरी, राजपाल वर्मा पल्लेदार यूनियन सहित आदि लोग मौजूद रहे।

शांति व सौहार्द के साथ मनाया जाए गणेश महोत्सव, माधौगढ़ कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) कोतवाली माधौगढ़ में आगामी गणेश महोत्सव को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से एक पीस कमेटी (शांति समिति) की महत्वपूर्ण बैठक पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अम्बुज सिंह की अध्यक्षता व थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा की मौजूदगी में संपन्न हुई।

बैठक में क्षेत्र की सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के लोगों को आमंत्रित किया गया था। इस दौरान माधौगढ़ थाना क्षेत्र के समस्त संप्रदात नागरिक, विभिन्न मंदिरों के पुजारी, ग्राम प्रधान तथा गणमार्ग्य व्यक्ति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अम्बुज सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आपसी भाईचारे का प्रतीक हैं। उन्होंने सभी से गणेश महोत्सव को पारंपरिक उल्लास, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। अधिकारियों ने आयोजकों और ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि पूजा पांडालों और प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाले या शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की सख्त नजर रहेगी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा ने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।



बैंको की देशत्यापी हड़ताल का नगर में पडा असर

- व्यापारिक लेन-देन रहा ठप्प

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में विभिन्न बैंक कर्मचारी यूनियनों की ओर से अपनी मांगों को लेकर की गई देशव्यापी हड़ताल का असर सरकारी बैंकों की कई शाखाओं के कामकाज पर देखने को मिला। कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने के कारण शाखाओं में सामान्य दिनों की तरह बैंकिंग सेवाएं संचालित नहीं हो सकीं। इससे बैंक शाखाओं में जरूरी काम से पहुंचे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पूरे दिन व्यापारिक लेन-देन ठप्प रहा। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने केंद्र सरकार और बैंक प्रबंधन के समक्ष बैंकिंग क्षेत्र में काम का दबाव लगाता बढ़ रहा है, लेकिन कर्मचारियों से जुड़ी कई मांगों पर अपेक्षित स्तर पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके चलते कर्मचारियों को देशव्यापी हड़ताल का सहारा लेना पड़ा।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करना, परफॉर्मेंस लिंकड इंसेंटिव से संबंधित मांगों पर कार्रवाई करना समेत अन्य मांगें शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बैंकिंग सेवाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों का भी समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाना जरूरी है। हड़ताल के कारण सरकारी बैंकों की शाखाओं में नकदी लेन-देन, चेक जमा और भुगतान, विभिन्न दस्तावेज जमा कराने, खातों से जुड़े कार्य तथा अन्य शाखा स्तर की सेवाएं प्रभावित रहीं। जिन



ग्राहकों के काम शाखा में जाकर ही पूरे होने थे, उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा या हड़ताल समाप्त होने का इंतजार करना पड़ा।

हालांकि डिजिटल बैंकिंग, एटीएम और अन्य ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध रहने के कारण ग्राहक कई सामान्य बैंकिंग कार्य इन माध्यमों से कर सके। हड़ताल का असर खासतौर पर उन ग्राहकों पर अधिक रहा, जिन्हें शाखा स्तर पर कर्मचारियों की सहायता की आवश्यकता थी।

24 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन पुलिस अधीक्षक बिनय कुमार के निर्देश पर कोतवाली माधौगढ़ चौकी बंगरा पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 24 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 10 सितंबर को कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा एवं चौकी प्रभारी अरुण कुमार पुलिस सुधीश कुमार नरेश सोलंकी अनूप कुमार मनोज कुमार के साथ गश्त एवं शांति व्यवस्था में लगे थे। इसी दौरान मुखबिबर ने सूचना दी कि ग्राम बंगरा माधौगढ़ से मार्ग पर एक युवक अवैध शराब लेकर किसी के इंतजार में खड़ा है। कांस्टेबल नरेश सोलंकी मनोज कुमार अनूप कुमार सुदेश कुमार को मौके पर बुलाकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने आरोपी राजाराम (57) पुत्र स्वर्गीय टीकाराम निवासी ग्राम बंगरा कोतवाली माधौगढ़ चौकी बंगरा को पकड़ लिया। आरोपी के हाथ में मौजूद झोले की तलाशी ली तो उसमें 24 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद हुई। आरोपी शराब के संबंध में कोई वैध लाइसेंस या अधिकार पत्र नहीं दिखा सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार बं कार्यवाही की है।



किसानों को शीघ्र मिले फसल नुकसान का मुआवजा- भाकियू

(यंग भारत न्यूज)

कोंच भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत गल्ला मंडी परिसर स्थित किसान भवन में संपन्न हुई। जिसमें किसानों ने अतिवृष्टि से फसल नुकसान का मुआवजा व फसल बीमा का लाभ दिलाने की मांग प्रमुखता से उठाई। पंचायत के बाद संगठन के लोगों ने नाख तहसीलदार वैभव गुप्ता को ज्ञापन देकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में किसानों ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण तहसील क्षेत्र में सोयाबीन की फसल को शत प्रतिशत नुकसान पहुंचा है, साथ ही तिली, उड़द, धान जैसी फसलें भी बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं, ऐसे में पीड़ित किसानों को दैवीय आपदा के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा बीमा कंपनियों से फसल बीमा का क्लेम भी दिलाया जाए ताकि पीड़ित किसानों को राहत मिल सके। इसके अलावा रात के समय खेतों में सिंचाई के काम को देखते हुए बिजली कटौती बंद किए जाने, ग्राम सिवनी बुजुर्ग में बाईपास से बरहा होकर निकली झूलती बिजली की लाइन को दुरुस्त कराने और क्षेत्र में अन्ना जानवरों के विचरण पर शीघ्र रोक लगाने की मांग की गई। 25 सितंबर को गल्ला मंडी उरई में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के प्रस्तावित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। इस मौके पर संगठन के तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल, महासचिव डॉ. पीडी निरंजन, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष पटेल समेत क्षेत्र के दर्जनों किसान मौजूद रहे।



भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण को 16 सितंबर को होगी सैनिक बंधु की बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर ऑफ़िकत सक्सेना (अ.प्रा.) ने बताया कि जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला सैनिक बंधु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 16 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित लोग अपना प्रार्थना पत्र लिखित रूप में 14 सितंबर 2026 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा कर सकते हैं। उन्होंने सभी भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं आश्रितों से अनुरोध किया है कि वे 16 सितंबर को अपराह्न 12:30 बजे जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास सभाकक्ष में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रख सकते हैं।

आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार पांचवीं बार जिला प्रथम, एसपी डॉ. ईशान सोनी सम्मानित

एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित



उरई (जालौन)। जनपद जालौन ने आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) की रैंकिंग में लगातार पांचवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्रभावी शिकायत निस्तारण और मॉनिटरिंग को लेकर किए गए कार्यों के लिए अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी को सम्मानित किया गया।

एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने उत्कृष्ट कार्य के लिए एसपी डॉ. ईशान सोनी को सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी। आईजीआरएस में लगातार पांचवीं बार जिले का प्रथम स्थान हासिल करना शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था और अधिकारियों की निगरानी को दर्शाता है। पुलिस विभाग की ओर से शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। एसपी डॉ. ईशान सोनी के सम्मान को जिले की पुलिस व्यवस्था के लिए उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

पांच दिन से लापता अधेड़ का शव मलंगा नाले में मिला सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नाले तक पहुंची पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पिछले पांच दिनों से लापता गांधी नगर निवासी मंगल सिंह उम्र 49 वर्ष का शव एसआरपी इंटर् कालेज के पीछे नर्सरी के पास मलंगा नाले की झाड़ियों में फंसा मिला। शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। एनडीआरएफ टीम ने शव को बाहर निकाला, जिसकी शिनाख्त परिजनों ने की।

मंगल सिंह पांच सितंबर को दोपहर से लापता थे। उनके पुत्र अरुण रजक ने कोतवाली पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो मंगल सिंह की आखिरी लोकेशन मलंगा नाले के पास मिली। इसके बाद नाले में तलाश के लिए एनडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम ने नाले में तलाश शुरू की तो झाड़ियों में शव फंसा दिखाई दिया, जिसे टीम ने बाहर निकाला। मंगल सिंह सागर चौकी के पास कपड़ों पर प्रेस करने का काम करते थे। उनके परिवार में एक पुत्र और चार पुत्रियां हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।







ना करो कभी किसी के मन को दुखाने वाले कमेंट्स

बच्चो, तुम्हारी अच्छी या बुरी आदतें तुम्हें अच्छा या बुरा इंसान बनाने में इंपॉर्टेंट रोल निभाती हैं। तुम्हारी हमेशा यही कोशिश होनी चाहिए कि तुम्हारी बातों या व्यवहार से किसी का मन ना दुःखी हो। इसके लिए तुम्हें हमेशा कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

क्यालिटीज को देखो

बच्चो, तुमने जरूर ध्यान दिया होगा कि किसी फ्रेंड को हँस राइटिंग अच्छी होती है तो किसी को रीटिंग। कोई स्पोर्ट्स में अच्छा होता है तो किसी की डांसिंग कनाल को होती है। इसलिए किसी को भी जज करने या कमाट आंकने की भूल तुमने नहीं करनी चाहिए। दूसरों को अपने से पीछे या नीचे समझने की सोच ही नकारात्मक शब्दों को तुम्हारी बातचीत का हिस्सा बना देती है। दूसरों की उपेक्षा करना सिखाती है। तुम्हारे मन में ईर्ष्या आती है। इसलिए क्लासमेट्स हो या फ्रेंड्स, हमेशा उनके गुणों पर ध्यान दो। अगर तुम्हारे साथियों में कोई कमजोर हो तो उसे मोटिवेट करो। मन को ठेस पहुँचाने कमेंट्स वाली खोजीचान के बजाय एक-दूसरे को बेहतर बनने में मदद करने का



प्यारा भाव रखो। इस बात को हमेशा याद रखो कि कोई भी परफेक्ट नहीं होता। ताना देने के बजाय अपनी बातचीत में काईड वडर्स को शामिल करो। पॉजिटिव कम्युनिकेशन से खुद अपने परनालिटि को भी बेहतर बनाने में मदद मिलती है। सोच-समझकर बोलना जिंदगी में हमेशा काम आता है।

नेगेटिव कमेंट से रक्षो दूरी

बच्चो, आजकल बहुत से रील और टीवी कार्यक्रमों में मैं मजाक उड़ाने वाली बातें सुन रहा हूँ। कई वीडियो में ले टैक्स और मजरी-पापा उस भी मजाक उड़ते हुए दिखाए जाते हैं। जाने-अनजाने यह कमेंट तुम्हारे मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगते हैं। इनके देखकर बहुत से बच्चे तो टीवी के अडिटरल तक पर कमेंट करने लगते हैं। स्कूल में पढ़ाने-सिखाने वाले तुम्हारे टीचर्स तुम्हारे शब्दों से दुखी हों, यह कोई अच्छी बात नहीं है। इसलिए तुम ऐसे कमेंट से दूर रहो।



बच्चो, क्लासमेट्स हो, जान-पहचान के परिचितों के तुम्हारे ही एज ग्रुप के बच्चे या हमउम्र नैक्स। सब एक जैसे नहीं हो सकते। सफ़ाक व्यक्तिगत अलग-अलग होता है। बोलने का रंग-रंग भी डिफरेंट होता है। पढ़ाई में भी सब एक जैसे परफॉर्म नहीं कर पाते। इसीलिए किसी भी बात को लेकर कभी भी किसी पर नेगेटिव कमेंट नहीं करना चाहिए।

मन दुखाता बिहेवियर

बच्चो, ज्यादा बजाने वाले किसी क्लासमेट को मोटा कह देना, एजाम में कम मार्क्स आने पर किसी का मजाक उड़ाना, किसी नेबर के पहनावे में कमी निकालना या अपने किसी फ्रेंड के अच्छे से कोई खेल ना खेल पाने पर उसको हँसी उड़ाना या फिर किसी के मन में कुछ नया सीखने से पहले खने वाले डर या डराने की और बढ़ाना, किसी को कुछ सीखने में थोड़ा ज्यादा समय लगाने पर कुछ कह सुनाना। किसी के कोई नई चीज, एक्टिविटी या लुक ट्राय करने पर मजाक बनाना। ये सब तुमने बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मजाक भर लगाने वाले ऐसे कमेंट्स दिल को बहुत ठेस पहुँचाते



होता है। ऐसे में किसी को कुछ भी कह देना, मन दुखाने वाली बात होती है। इतना ही नहीं, किसी भी बात को प्वाइंट आउट कर किसी पर टीका-टिप्पणी करना, खुद तुम्हें भी नेगेटिव मानसिकता के घेरे में ले आता है। इसीलिए हमेशा सोच-समझकर बोलने की आदत बनओ।

तुम्हारे लिए कई किताबें / सुरेख विक्रम हंसाती-गुदगुदाती कविताएं

बच्चो, जरा सोचो अगर एक ऐसी पुस्तक तुम्हें पढ़ने को मिल जाए, जिसमें मनोरंजन, हास्य के साथ पर्यावरण को भी जानकारी हो तो पढ़ने में कितना मजा आएगा! डॉ. सुधा गुप्ता 'अमृता' द्वारा रचित 'चीं चीं चीं हाऊ हाऊ' कविता में एक ऐसा ही बाल कविता संग्रह है। इसमें कुल 23 कविताएँ हैं। 'अरे पेड़ पर चढ़ एक हम' कविता में बड़े उसाह से एक बच्चा पेड़ पर चढ़ तो गया, लेकिन नीचे कैसे उतरे? ऊपर से पेड़ पर बैठे बंद को देखकर सिद्धी-पुट्टी मग हो जाती है। मारे डर के फिसलता है, संभलता है फिर धड़ाम से नीचे कूद जाता है। 'खट्टे हैं अंगूर' कविता में तुम पढ़ोगे कि

लोमड़ी तो अंगूर नहीं तोड़ पाती है, मगर पेड़ पर चढ़कर बंदर झट से अंगूर तोड़ देता है। इस कविता में 'वैशाखनंदन' पर भी कविता है। तुम समझ गए न! वैशाखनंदन, गंधे को कहते हैं। शीर्षक कविता 'चीं चीं चीं हाऊ हाऊ' कविता में तुम पढ़ोगे कि कैसे एक चूहा मुखौटा लगाकर रोस बना जाता है। चूहे को इस तरह देखकर शिलपी भी डर कर भाग जाती है। 'घम घमाघम फिसल' कविता में तुम पढ़ोगे कि बरसते हुए पानी और कौपाड़ के बीच किस तरह सारी सख्तियाँ धम धमाधम एक-दूसरे पर गिरती हैं? पुस्तक की अन्य कविताएँ भी बहुत ही रोचक और मनोहर हैं।



किताबें: चीं चीं हाऊ हाऊ (बाल-कविता संग्रह), लेखिका: डॉ. सुधा गुप्ता 'अमृता', मूल्य: 150 रुपये, प्रकाशक: इंडिया नेटवर्क प्रा. लि., नोएडा

हंसगुल्ले

हिंदी: पढ़ने के बट का उता है
हिंदी: उठो
हिंदी: अरे! एक का उता है
हिंदी: तीन के देखभाल लो

खरब, रायपुर
मनू: नर, ये तुम्हारा किसी का नहीं

संस्कृत: यो, यो दुःख
मनू: यो कायदा ऐसे कृता
य, जो रीति न का उता है
उपलब्ध न किन-कोन से उर
अने बने हैं।

—विशाल, बिलासपुर

जीके क्विज-222

1. 730 दिन वर्ष 2026 का कितना दिनों की है?
2. वसंत ऋतु के पहले कौन सा उष्णकटिबंधीय ऋतु होता है?
3. 19 फरवरी से एप्रिल तक का जलवायु किस देश में शुरू होने का है?
4. बरत के मध्य काल में कौन से हिमालय के पर्वतों का गिरना शुरू हुआ?
5. ब्रिटीश अडमिरल सिडनी होल्डर ने कौन से ब्रिटीश रज और रजत लक्ष्य बर्तन दिखाए थे इन का नाम क्या है?
6. राष्ट्रीय हिंदी दिवस किस वर्ष को मनया जाता है?
7. काल के उत्तरार्ध को कौन से वर्ष का नाम दिया जाता है?
8. 'अभिधान संपादन' कायदा का कौन सा अनुच्छेद है?
9. भारत में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए कौन से कानून लागू हैं?
10. कितने बाल का जन्म हुआ है?

बच्चो, जीके क्विज-222 का उत्तर बालकृति के अंकों प्रक में प्रकाशित किया जाएगा। सर्वे उत्तर देने वाले बच्चों को जग भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने उत्तर हमें balbhoombh@gmail.com पर भेज कर सकते हो।

जीके क्विज-221 का उत्तर: 1. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, 2. 2020, 3. डिसेंबर, 4. विहार, 5. नई दिल्ली, 6. 1961 ई., 7. 6 से 14 वर्ष, 8. चाणक्य, 9. फेडरल लिबर मंत्री, 10. मिचेल स्टर्न

जीके क्विज-221 का सही उत्तर देने वाले: अकांक्षा-रायपुर, सचिन-कलौदा काजर, कबीर-हिसार, कविता-रायपुर, दीपक-सीतापुर, हर्ष-रौहता, गुनन-बिलासपुर, रोशन-बालोड, संजना-कोरिया, आनंद-दुर्ग, साकेत-दुर्ग

कहानी विमला रस्तोगी

शिल्पी और मान्धा दोनों सहैलियाँ पुणे के एक इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती हैं। इसी स्कूल में साथ पढ़ते हुए दोनों को दोस्ती हुई। शिल्पी-मान्धा दोनों इस साल कक्षा पांच में आ गई हैं। कक्षा पांच एक अन्य विषयों के साथ हिंदी पढ़ना अनिवार्य था। अब कक्षा पांच में हिंदी लेना अनिवार्य नहीं था। बच्चों हिंदी के स्थान पर कोई विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच या जर्मन ले सकते हैं।

शिल्पी की मम्मी चाहती थी कि उनकी बेटी हिंदी ले, पर उसके पापा चाहते थे कि फ्रेंच ले। शिल्पी एक एक फलने लगे ही पुणे आई थी। इससे पहले वह तीन वर्ष अपने मम्मी-पापा के साथ रोपार्ड (चीन) में रही थी। रोपार्ड में उसकी मम्मी अपने परिचितों के बच्चों को हिंदी पढ़ना सिखाती थी। वह शाम को एक घंटा बच्चों को हिंदी पढ़ाती थी। शिल्पी भी उनके साथ बैठकर हिंदी पढ़ती थी। मम्मी का बच्चों को हिंदी पढ़ाना शिल्पी को बहुत अच्छा लगता था। उसे हिंदी से बहुत लगाव हो गया था।

मान्धा भी अपने मम्मी-पापा के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहकर पुणे आई थी। उसके मम्मी-पापा घर पर हिंदी में बात करते थे। ऑस्ट्रेलिया से आकर मान्धा ने शिल्पी के स्कूल में दाखिला लिया। दोनों बहुत जल्दी अच्छी दोस्त बन गईं।

शिल्पी की हिंदी, मान्धा से अच्छी थी। वह मान्धा को होमवर्क करने में सहायता करती थी। शिल्पी हिंदी की बाल पत्रिकाओं में से कहानी पढ़कर मान्धा को सुनाती तो उसे बहुत मजा आता। हिंदी के प्रति मान्धा की रुचि बढ़ती जा रही थी। लेकिन मान्धा के मम्मी-पापा उसे एक विषय के रूप में हिंदी दिलाने के लिए तैयार नहीं थे, जबकि मान्धा हिंदी लेना चाहती थी।

शिल्पी और मान्धा के पैरेंट्स को तय करना था कि उनकी बेटियों को हिंदी को एक विषय के रूप में पढ़ना है या नहीं। शिल्पी-मान्धा तो चाहती थी कि वे हिंदी विषय ले, लेकिन शिल्पी के पापा इच्छुक नहीं थे कि उनकी बेटी हिंदी विषय ले। उधर मान्धा के मम्मी-पापा दोनों ही उसे हिंदी विषय के रूप में दिलाने को तैयार नहीं थे। आखिर दोनों सहैलियाँ क्या हिंदी विषय लेकर साथ-साथ पढ़ पाईं?

हिंदी बनी दोस्ती की डोर



शिल्पी ने एक दिन अपनी मम्मी से कहा, 'आप मान्धा की मम्मी से बात करें, उन्हें समझाएं कि मान्धा को हिंदी विषय लेने दें। उन्हें यह भी बताएं कि अब रोपार्ड में बच्चों को हिंदी पढ़ाती थीं। अपने देश की राजभाषा हिंदी पढ़ना जरूरी है।'

मम्मी बोली, 'ठीक है, मौका देखकर उनसे बात करूँगी।'

शिल्पी को चिंत था कि पता नहीं मान्धा हिंदी विषय ले पाएगी या नहीं? उसने एक दिन मम्मी का मोबाइल लेकर मान्धा को फोन किया, बोली, 'सुन, मेरी मम्मी आज मेरे लिए पापा से पंडाल बात कर लेंगी कि मैं हिंदी और भाषा नहीं, हिंदी भाषा ही लूं। तुम भी अपनी मम्मी को समझा। अगर तुने हिंदी नहीं ली तो हम दोनों के संकलन अलग हो जाएंगे। आपस में मिलना कम हो जाएगा। हमारी दोस्ती में भी दूरी आ जाएगी।'

उधर से मान्धा बोली, 'अभी बात नहीं कर सकती। घर पर मेहमान आए हैं।' कहकर उसने फोन काट दिया। शिल्पी उदास हो गई। रात को खाना खाने के बाद मम्मी ने पापा से बात की, उन्हें फिर से किसी तरह समझाया कि शिल्पी को हिंदी विषय लेने दें। पापा राजी हो गए। उन्होंने शिल्पी को प्यार से अपने पास बुलवा और बोले, 'बेटा, तुम विषय के रूप में हिंदी ले सकती हो।'

'थैंक यू, पापा।' कहकर शिल्पी पापा के गले से लिपट गई। शिल्पी बहुत खुश थी, लेकिन उसका ध्यान मान्धा में ही अटक था। वह सोच रही थी, हिंदी हमारी राजभाषा है, यह इतनी प्यारी भाषा है कि इसे हर भारतीय

को पढ़ना चाहिए, तो हम इसे क्यों ना पढ़ें? अगले दिन स्कूल में पैरेंट्स को अपना निर्णय बताना था। शिल्पी अपनी मम्मी के साथ स्कूल समय से पहले पहुँच गई। कुछ ही देर में मान्धा भी अपनी मम्मी के साथ आ गई। वे चारों गैरट रूप में बैठ गए।

'अब क्या निर्णय रहा आपका?' शिल्पी की मम्मी ने मान्धा को मम्मी से पूछा। उन्होंने बताया, 'कल मान्धा के पापा के एक मित्र आए थे। वे एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में हिंदी के प्रोफेसर हैं। कई साल तक विदेशों में भी हिंदी पढ़ा चुके हैं। उनके सामने मान्धा के हिंदी को एक विषय के रूप में लेने वाली बात आई।'

'क्या कहा उन्होंने?' शिल्पी की मम्मी ने उत्सुकता से पूछा। 'यही कि आजकल विदेशों में रहने वाले भारतीय अपने बच्चों को हिंदी के दृष्टान्त लगा रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हिंदी का महत्व बढ़ा है। विदेशी यूनिवर्सिटीज अब हिंदी के प्रोफेसर रख रही हैं। हिंदी अनुवादकों को भी बहुत जगह जरूरत पड़ती है। इस तरह हिंदी विषय आपको अच्छी जाँच दिलाने में सहायता करता है। और फिर हर भारतीय को हिंदी भाषा अच्छे से अपनी चाहिए। आप लोगों को खुश होना चाहिए कि आपकी बेटी को हिंदी पढ़ने में सफल है।' मान्धा की मम्मी ने बताया। शिल्पी की मम्मी ने पूछा, 'फिर आपने और मान्धा के पापा ने क्या सोचा?'

'सोचना क्या था, आप पहले ही मुझे समझा चुकी थीं। इसलिए हमने मान्धा को हिंदी विषय लेने को कह दिया।' मान्धा की मम्मी का इतना कहना था कि 'थैंक यू, पापा।' कहते हुए शिल्पी ने मान्धा को गले लगा लिया। खुशी से मान्धा की आँखें भर आईं। दोनों सहैलियाँ को खुशी देखकर दोनों की मम्मी भी खुश हुईं।

सब खुशी-खुशी प्रिंसिपल के ऑफिस की तरफ चल दिए। वह बताने के लिए कि शिल्पी और मान्धा अपनी प्यारी राजभाषा हिंदी पढ़ेंगी।



स्कूल बस का रंग पीला क्यों होता है

बच्चो, क्या तुमने कभी सोचा है कि अधिकांश स्कूल बसों का रंग पीला क्यों होता है? क्या यह सिर्फ एक पुरानी परंपरा है या इसके पीछे कोई व्यावहारिक और वैज्ञानिक कारण है? इस बारे में जानो।

जानकारी

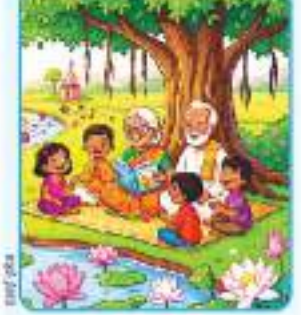
नयनतारा

बच्चो, तुमने देखा होगा कि प्रायः स्कूल बसों का रंग पीला होता है। तो सकता है तुम भी जिस स्कूल बस से जाते हो, उसका रंग पीला हो। तुम सोचो होंगे कि क्या कोई नियम है कि स्कूल बस पीले रंग की होनी चाहिए या इसके पीछे कोई और वजह है? अब जानते हैं।

व्यावहारिक कारण: 1930 तक अमेरिका में ऐसी स्कूल बसों का प्रयोग किया जाता था, जो अलग अलग रंग की होती थीं। कुछ नीली रंग की होती थीं, कुछ हरे, लात या एकदम लकड़ी जैसे रंग की। इन स्कूल बसों का कोई स्टैंडर्ड फिक्स कलर नहीं होता था, जिससे व्यस्त सड़कों पर अलग से नोटिस किया जा सके कि यह स्कूल बस है। इस बात को ध्यान में रखकर शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. फ्रैंक डब्लू सर ने 1939 में एक सम्मेलन का आयोजन किया ताकि स्कूल बसों के लिए राष्ट्रीय मानक बनाया जा सके। इससे संबंधित अनेक सुझाव दिए गए, जिनमें यह आम सहमति बनी कि प्रायः स्कूल बस को सामान चमकदार पीले रंग से पेंट किया जाए। आखिरकार इसी रंग को 'नेशनल स्कूल बस स्टांडर्ड' मान लिया गया।

वैज्ञानिक कारण: बच्चो, स्कूल बसों को पीले रंग से रंगने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। दरअसल, हमारी आँखें अन्य रंगों की तुलना में पीले रंग को अधिक जल्दी पहचानती हैं, खासकर दिन की रोशनी में। यह रंग पेड़ों, खिलोनों, बाइल भरे आसमान और बारिश के बीच भी अलग दिखाई देता है। गहरे रंग अक्सर अपनी प्रकृति में रम जाते हैं, जबकि पीला रंग तुरंत और दूर से ही ध्यान आकर्षित करता है। हर मौसम के लिए अनुकूल रंग: स्कूल बस को हर प्रकार के मौसम में चलना होता है, चाहे सुबह की धुंध हो, बारिश हो, जाड़े की सुबह हो या धूल भरी सड़क, जिससे दिखाई देना कठिन हो जाता है। इनमें से अधिकतर स्थितियों में चमकदार पीले रंग का स्कूल बस को दूर से देख लिया जाता है। फिर जब बस आगे व पीछे काले रंग से 'स्कूल बस' लिखा होता है तो उसे देखना और ज्यादा आसान हो जाता है। इससे जब साथ में चलने वाले दूसरे वाहन, स्कूल बस को धीमा होते या रुकते हुए देखते हैं तो उनके चालकों को प्रतिक्रिया का कुछ अतिरिक्त समय मिल जाता है। यही वजह है कि पीला रंग स्कूल बस की सुरक्षा का प्रतीक बन गया और यह पूरे दुनिया में अमनवाचक है।

कविता सूर्य कुमार पांडेय



हिंदी सहज-सरल है

हिंदी सरल है, हिंदी सरल है। भाषा की श्रौती में श्रद्धा कम्हा है। वह लम्बे प्यारी, वह सबको प्यारी, इसमें ही बसती है दुनिया स्मरती है। इसकी पढ़ाई, इसमें लिखाई, बोझों में हिंदी में, लेते बड़ों। भारत की वाणी का यह वंशज है। हिंदी सरल है, हिंदी सरल है। भाषा की श्रौती में श्रद्धा कम्हा है। दादा और दादी, नाना और नानी, हिंदी में लम्हो सुनाते करनी। हिंदी के गाने, गीतें तराने, सब ही समझते हैं इसके गाने। यह मातृ भाषा है, प्यार प्रकट है। हिंदी सरल है, हिंदी सरल है। भाषा की श्रौती में श्रद्धा कम्हा है।

रंग भरो-210



रंग भरो-210 में दिए गए प्रश्नों में बहुत अंकों से उत्तर दे सकते हो। उत्तरों में पुनः पुनः उत्तर दिए जा सकते हैं। इनका उपयोग कर सकते हो। उत्तर देने के लिए के तब कुछ अन्य बच्चों के नाम और पता भी इकट्ठा कर सकते हो।

रंग भरो-210

अरुण, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर
अर्जुन, जयपुर

रंग भरो 211

रंग भरो 211

कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता
कवि, कविता

बुन्देलखण्ड में निवेशकों को डेयरी उद्योग लगाने का आह्वान, मिलेगी सुरक्षा और योजनाओं का लाभ- पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री

-झांसी में डेयरी कॉन्क्लेव-स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम' कार्यशाला का हुआ भव्य आयोजन
-प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में हुआ कॉन्क्लेव -स्टेक होल्डर्स को योगी सरकार की दुग्ध विकास नीतियों से कराया गया अवगत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए योगी सरकार की उन्नत एवं स्वस्थ गोवंश को बढ़ावा देने की नीति के अंतर्गत दुग्ध विकास विभाग द्वारा संचालित नन्द बाबा दुग्ध मिशन, दुग्ध प्रोत्साहन नीति – 2022 के प्रचार-प्रसार के लिए और प्रदेश के डेयरी सेक्टर में पूंजी निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को झांसी मण्डल, चित्रकूट धाम मण्डल एवं कानपुर मण्डल का संयुक्त रूप से पण्डित दीनदयाल उपाध्याय सभागार जनपद झांसी में 'डेयरी कॉन्क्लेव' – स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डेयरी कॉन्क्लेव-स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम कार्यशाला में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर नौ देवी स्वरूप बालिकाओं की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते शुभारंभ किया गया। मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि झांसी, चित्रकूट धाम मण्डल एवं कानपुर मण्डल कृषि, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र की समृद्ध संभावनाओं वाले महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जो प्रदेश के डेयरी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दुग्ध उत्पादन के साथ-साथ दुग्ध प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन, कोल्ड चेन और डेयरी उद्योग की पूरी वैल्यू चेन को मजबूत करना है, जिससे किसानों की आय बढ़े और महिलाओं व युवाओं के



लिए रोजगार के अवसर सृजित हों। अपने उद्घोषन में, उन्होंने निवेशकों से क्षेत्र में डेयरी उद्योग लगाने का आह्वान करते हुए, विश्वास जताया कि यह पूर्ण सुरक्षा के साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ और छूट भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि तीनों मण्डल प्रदेश के प्रमुख डेयरी हब बनकर उत्तर प्रदेश की 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने उद्घोषन में मा0 पशुधन एवं दुग्ध विकास मन्त्री श्री धर्मपाल सिंह ने ने कहा कि किसानों की आय खेती के साथ पशुपालन से संभव हो सकती है। उन्होंने अपने उद्घोषन में वर्तमान परिदृश्य में स्वदेशी नस्ल के गौपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के सम्बन्ध में संचालित विभिन्न योजनाओं के बहुआयामी लाभों पर प्रकाश डालते हुए, योजनाओं से पशुपालकों/गौपालकों के जीवन स्तर में आने वाले बदलावों पर विस्तृत चर्चा की गयी। उन्होंने स्वदेशी उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य एवं खुशहाल उत्तर प्रदेश के संकल्प को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर दुग्ध आयुक्त श्रीमती धनलक्ष्मी के0 ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को सुनिश्चित बाजार, पारदर्शी मूल्य निर्धारण एवं स्थायी आय उपलब्ध कराने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नंद बाबा दुग्ध मिशन एवं दुग्ध नीति-2022 के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन, आधुनिक डेयरी विकास तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त दूध एवं

आय एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। झांसी मण्डल की सक्रिय भागीदारी से डेयरी क्षेत्र उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को प्राप्त करने में मजबूत स्तम्भ बनेगा।कार्यक्रम में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के श्री नीरज राय, श्री अखिलेश कुमार, श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती सावित्री देवी सहित 20 लाभार्थियों और मिनी नंदिनी के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों द्वारा गोपालन से जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्ट एवं हरा चारा प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पराग, बलनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी,नमस्ते इंडिया डेयरी, एग्रा डेयरी, पशुपालन विभाग, एग्रीकल्चर इश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया एवं विभिन्न निजी एवं सहकारी संस्थाओं द्वारा स्टॉल अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। जीबीसी के अन्तर्गत झांसी मण्डल के लिए 15 करोड़, चित्रकूट धाम मण्डल के 04 करोड़ एवं कानपुर मण्डल के 171 करोड़ के निवेश प्रस्ताव हुए हैं, जिनसे हजारों नवीन रोजगार सृजित होंगे। प्रत्येक ग्राम पशुपालन से संभव हो सकती है। उन्होंने अपने उद्घोषन में वर्तमान परिदृश्य में स्वदेशी नस्ल के गौपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के सम्बन्ध में संचालित विभिन्न योजनाओं के बहुआयामी लाभों पर प्रकाश डालते हुए, योजनाओं से पशुपालकों/गौपालकों के जीवन स्तर में आने वाले बदलावों पर विस्तृत चर्चा की गयी। उन्होंने स्वदेशी उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य एवं खुशहाल उत्तर प्रदेश के संकल्प को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर दुग्ध आयुक्त श्रीमती धनलक्ष्मी के0 ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को सुनिश्चित बाजार, पारदर्शी मूल्य निर्धारण एवं स्थायी आय उपलब्ध कराने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नंद बाबा दुग्ध मिशन एवं दुग्ध नीति-2022 के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन, आधुनिक डेयरी विकास तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त दूध एवं

अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में पांच दोषियों को

आजीवन कारावास पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया

(यंग भारत न्यूज)



उरई। जिले के डकोर कोतवाली क्षेत्र के प्रेमबाबू अपहरण एवं हत्या के करीब साढ़े तीन साल पुराने मामले में अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट उरई ने पांच आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने सभी दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है। प्रकरण के अनुसार डकोर थाना क्षेत्र के ग्राम निवासी समरजीत सिंह ने चार मार्च 2023 को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसके पिता प्रेमबाबू को गांव के ही कुछ लोग मोटरसाइकिल से अपहरण कर अपने साथ ले गए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। विवेचना के दौरान छह मार्च 2023 को पुलिस ने अभियुक्त मोहित कुमार को निशानदेही पर यमुना नदी के बौहड़ क्षेत्र में स्थित एक गंदे नाले से प्रेमबाबू का शव बरामद किया। वादी समरजीत सिंह ने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की।पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद फूल सिंह, शत्रुघ्न उर्फ रामसहोदर, मोहित कुमार, आरिफ और अतर सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 364, 34, 302 एवं 120बी के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दायित किया।मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर शासकीय अधिवक्ता फौजदारी हद्देश पांडेय ने पैरवी की। न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के परीक्षण तथा दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करने में सफल रहा।न्यायालय ने पांचों दोषियों को धारा 302 सपटित धारा 120बी के तहत आजीवन सश्रम कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर प्रत्येक दोषी को छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।इसके अलावा अपहरण के आरोप में धारा 364 सपटित धारा 120बी के तहत भी पांचों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। अर्थदंड न देने पर तीन-तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने दोनों धाराओं में सुनाई गई सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया।फैसला सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जिला कारागार भेजने के निर्देश दिए गए। निर्णय की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उरई को भी भेजने का आदेश दिया गया। अदालत का यह फैसला 11 सितंबर 2026 को सुनाया गया।

14 वर्ष से अधिक उम्र की 4 सौ किशोरियों को टीके लगाकर जागरुक किया

-युवतियों के गर्भाशय के सर्वाइकल कैंसर से होता है बचाव

(यंग भारत न्यूज)

कालपी–उरई।सर्वाइकल कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों के नियंत्रण के लिए सरकार की योजना के अंतर्गत 14 वर्ष से 15 वर्ष 3 माह तक की उम्र की किशोरियों के 4 सौ से अधिक लोगों का टीकाकरण कराया गया है। नगरीय टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभारी डॉ अमित पोरवाल ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप निर्धारित समय के अंदर 7 सौ किशोरियों का टीकाकरण कराया जायेगा।

इसी क्रम में डा रचना दुवे की टीम के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टी डी (टिटनेस डिथीरिया) के नियमित टीके लगाए जा रहे हैं। इस सिलसिले में चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश गुप्ता ने मीटिंग में टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करके स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। डॉक्टर दिनेश ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से हर वर्ष एक लाख लोगों की मौत होती है।इस वजह से विभाग के द्वारा टीकाकरण पर ज्यादा जोर



दिया गया है। सीएचसी की महिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रचना दुवे के मुताबिक महिलाओं में बच्चेदानी एवं माहवारी की समस्याओं से सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होती थी। इसी की रोकथाम के लिए टी डी का टीकाकरण करने का अभियान चलाया जा रहा है। नगर के महिला विधालयो में छात्राओं को टीका लगाने के लिये जागरूक किया। डाक्टर अमित पोरवाल ने बताया कि

रचना दुवे,माया वर्मा, सुषमा वंदना विश्वकर्मा, गीता पाल, विभा तथा आशाओं नसीमा खातून, नीलम यादव, अंजू लता, रानी अहिरवार, पूनम आदि स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा 14 वर्ष से 15 वर्ष 3 माह तक की उम्र की किशोरियों

व छात्राओं को टी डी का टीका लगाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। विभागीय कर्मियों के मुताबिक सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन सी एच सी कालपी में टी डी का टीका लगाने की व्यवस्था है। रचना दुवे ने बताया कि नगरीय क्षेत्र कालपी में 4 टीमों के द्वारा सक्रियता पूर्वक टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिनमें प्रथम टीम में सीएचसी में रचना दुवे,आशा नीलम यादव, वंदना रानी अहिरवार गीता पाल, पूनम नसीमा व एएनएम शुषमा शामिल हैं।दुसरा स्वास्थ्य शिविर मुहल्ला राजघाट में,तीसरा शिविर मुहल्ला दमदमा तथा चौथा कैम्प मुहल्ला राम चबूतरा में आयोजित किया गया है। उन्होंने टीकाकरण कार्यक्रम में सहयोग की अपेक्षा की है।

बिजली चोरी पर छापेमारी में पकड़े 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी–उरई।विभागीय अधिकारियों की तमाम कवायद के बावजूद बिजली चोरी के मामलों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। गुरुवार को विद्युत चोरी रोकने तथा लाइन लॉस कम करने के लिए विद्युत वितरण उपखंड अधिकारी कालपी धर्मेद्र सिंह सचान के नेतृत्व में सघन चेंकिंग अभियान चलाया गया। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी के अदलसराय तथा राज घाट मोहल्लो में जीरो कंजप्शन वाले उपभोक्ताओं के संयोजनों की जांच की गई। इस दौरान बिजली चोरी करने के आधा दर्जन मामले पकड़े गये।अवर अभियंता सत्य प्रकाश गौतम की तहरीर पर 6 लोगों के खिलाफ विधुत अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।विभाग की इस कार्यवाही से अनियमितता करने वाले उपभोक्ताओं में खलबली मच गयी है। उपखंड अधिकारी के नेतृत्व में अवर अभियंता नवीन सचान, सत्यप्रकाश तथा संविदा कर्मचारियों अनूप कुमार, अखिलेश शुक्ला, साबिर अली और दिलीप आदि की टीम के द्वारा अदल सराय व छापेमारी की। चेंकिंग के दौरान चार उपभोक्ता



मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पाए गए। वहीं दो उपभोक्ता बकाया होने के कारण काटे गए कनेक्शन को दोबारा जोड़कर विद्युत का उपयोग करते मिले।

विभागीय टीम ने सभी छह मामलों में कार्यवाही करते हुए एंटी थेफ्ट थाना उरई में विद्युत चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। उप खंड अधिकारी धर्मेद्र सिंह सचान ने विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रखने की बात कही है। मालूम हो कि सप्ताह भर के अंदर दो दर्जन से अधिक चोरी के मामले पकड़े गए हैं। तथा उपभोक्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। कालपी नगर में 12 लोगों के खिलाफ पहले मुकदमा दर्ज किया

गया। इसी क्रम में ग्राम हिम्मतपुर में विद्युत विभाग की टीम ने विद्युत की चोरी करते हुए 8 लोगों को पकड़ कर मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है।

युवा विधायक के रूप में देखाना चाहते हैं अपने नेता बबुआ भैया को धूमधाम से मनाया गया बबुआ यादव का जन्मदिन

(यंग भारत न्यूज)



झांसी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता युवा दिलो की धड़कन युवा सम्राट कहे जाने वाले इंजीनियर सिंह ब्रत सिंह यादव उर्फ बबुआ का जन्मोत्सव उनके सिंह वाहिनी सेवादल के केंद्रीय कार्यालय पर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉक्टर चंद्रपाल सिंह यादव की मौजूदगी में धूमधाम से मनाया गया।

जहां पर हजारों की संख्या में मौजूद लोगों के बीच बबुआ ने केक काटा। मौजूद पीडीए जनसमूह ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया एवं मिष्ठान खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान भैया तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं के नारे भी लगाए गए जो इशारा कर रहे थे कि उनके चुनाव लड़ने का संकेत मिल गया हो। सुबह से उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए लोगों का तांता लगा शुरू हो गया, सारा दिन उन्हें बधाई देने वालों की लंबी कतारें उनके कार्यालय पर देखी गयीं।हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान पीडीए का महासंगम देखने को मिला। हर जाति धर्म और समाज के लोगों ने पहुंच कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सोशल मीडिया पर जन्मदिन की शुभकामनाओं का सैलाब देखने को मिला। शाम को पूर्व सांसद डॉक्टर चंद्रपाल सिंह यादव एवं पीडीए की मौजूदगी में केक काटा गया। इस दौरान सिंह ब्रत सिंह यादव ने कहा कि मैं सभी का धन्यवाद देता हूं जो आज मेरा हौसला साथियों ने बढ़ाया है। हम संकल्प लेते हैं कि अखिलेश जी को इस बार मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संकल्प लिया कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए पूरे जोश के साथ संघर्ष किया जाएगा। जन्मोत्सव समारोह में सज्जन सिंह यादव, हरीश हसानी, अमित यादव, विमलेश सोनी डॉली,राजेश सोनी लाला, मोहन सोनी डीके सोनी, यशवंत राव वीरेंद्र राय, धीरेंद्र यादव, हरिन्द्र यादव, कृष्णकुमार यादव,पप्पू कोलवा, जितेंद्र यादव, जगभान यादव प्रधान बरूआ सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

बामोर। आज नगर में डालचंद गुप्त ज्ञान आश्रम शिक्षा मंदिर प्रांगण में जियालाल मेमोरियल हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड झांसी द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निशुल्क जांच नेत्र जांच एवं ऑपरेशन



सिविल लगाया गया जिसमें ग्राम बामोर सहित क्षेत्रीय ग्रामों से आए हुए लगभग 120 मरीजों की आंखों की निशुल्क जांच कर उन्हें निशुल्क दवा वितरण की गई।ग्राम प्रधान संजय कुमार गुप्ता द्वारा शिविर में सुनाई नहीं सहयोग किया गया और उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी सिविल बामोर में हमेशा लगते रहे हैं। हर तरीके की मदद करने के लिए तन मन धन से तैयार हूं अंशुल तिवारी ग्राम खडैनी व ब्रजकिशोर पटेल बामौर द्वारा मरीजों की भरपूर मदद की गई।जियालाल हॉस्पिटल से आए प्रियंका श्रीवास्तव नेत्र सहायक अतुल विश्वकर्मा कैप प्रबंधक वह दिनेश कुमार आयुष्मान मित्र द्वारा सराहनीी तरीके से नेट परीक्षण वी दवा वितरण किया गया मरीज को उचित सलाह भी दी गई।आयोजक अशोक गुप्ता समाज सेवी द्वारा कैप में आए हुए कैप टीम एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया

पापों से बचकर पुण्य की विशुद्धि तढायें: विशाश्री माताजी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के चालीसवें दिन शुक्रवार को गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने मंगल ० देशना देते हुए कहा कि भगवान को आराधना से सब कुछ प्राप्त होता है बस धैर्य की आवश्यकता है। वीरांगना की नगरी झांसी में चातुर्मास के दौरान हो रहे भक्तामर महामंडल आराधना विधान को बड़ा आयोजन बताते हुए उन्होंने कहा कि झांसी सहित बुंदेलखंड के लोग बड़े भाग्यशाली हैं जो यहां बड़ी संख्या में साध्वियों का चातुर्मास हो रहा है। उन्होंने कहा कि साधु विषम परिस्थितियों में भी अपनी साधना, आराधना और स्वाध्याय नहीं छोड़ते। शरीर भले ही संकट में हो पर वे कदापि विचलित नहीं होते। समुद्र की गंभीरता का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि समुद्र में कितनी भी नदियां चारों से गिरती हैं पर वह अपनी गंभीरता नहीं छोड़ता। चातुर्मास के दौरान इस शुभ समागम में हो रही धर्म प्रभावना से अपने पुण्य की झोलियां भरना चाहिए। जीवन को दुर्गति या अधोगति में न ले जाने की सलाह देते हुए विशाश्री माताजी ने कहा कि पवित्र भावना के साथ धर्म की रक्षा करें तथा पापों से बचते हुए पुण्य की विशुद्धि वढायें। इससे पूर्व गुरुवार के पुण्यार्जक श्रीमती हेमलता ऋषभ कुमार जैन, श्रीमती शैली सिद्धार्थ जैन,शाश्वत, स्वस्ति समस्त परिवार चिरांग व रहे, जिन्होंने शांतिधारा को सौभाग्य प्राप्त किया, माताजी को शास्त्र भेंटकर पाद प्रक्षालन कर पं दीपक जैन करैरा के मार्गदर्शन में समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कराते हुए अर्घ्य समर्पित किये। तदुपरांत पुण्यार्जक परिवारों का माला एवं पगड़ी पहनाकर दिगम्बर जैन पंचायत समिति के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।संचालन पंचायत समिति के महामंत्री कमल जैन लोकपथ एवं करगुवांजी मंत्री एड.शिरोमणी जैन ने संयुक्त रूप से किया।अंत में विधि सलाहकार अशोक जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया